पोषण युक्त भोजन मानव जीवन के लिए वरदान–डॉ. एस. के. चौधरी

झाँसी 25 सितम्बर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर आज वैज्ञानिक व्याख्यान श्रृंखला के तहत ''पोषक संवेदनषील कृषि–जैव संवर्धन के द्वारा प्राकृतिक पोषण'' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. चौधरी, उप–महानिदेषक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि हमें अपनी पारम्परिक खानपान की तरफ ध्यान देना होगा। आज भी दादी–नानी के नुस्कों के आधार पर हमारा भोजन पूर्णरूप से संतुलित है। विषिष्ट अतिथि प्रो. अरविन्द कुमार, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय, झाँसी ने कहा कि पोषण युक्त खानपान से मानव शरीर पूर्णरूप से स्वस्थ्य रहता है। अतः हमें ऐसा भोजन करना चाहिए जिसमें रासायनिक खादों एवं कीटनाषकों का उपयोग कम–से–कम हुआ हो। डॉ. डी. के. यादव, सहायक महानिदेषक (बीज), आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली ने अपने ऑन–लाईन व्याख्यान में ''जैव संवर्धन पोषण हेतु सतत् रास्ता'' विषय पर गहराई से विस्तृत जानकारी दी कि आई.सी.ए.आर. द्वारा विकसित की गयी 71 जैव सवंर्धित फसले जो खनिज तत्वों से परिपूर्ण हैं तथा मानव स्वस्थ्य के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि जैव सवंर्धित फसलों द्वारा हम कुपोषण को आसानी से हरा सकते हैं।

संस्थान के निदेषक डॉ. ए. अरूणाचलम ने किसान भाईयों को आह्वान करते हुये कहा कि हमें अपने भोजन में विविधिकरण लाना है। लगातार किसी एक ही अनाज को नहीं खाना, इससे कुपोषण हो जाता है। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि अपने भोजन में मोटे अनाज, दालें, फल, दूध, घी इत्यादि शामिल करना है तथा कृषिवानिकी अपनाकर पोषण युक्त भोजन अपने खेत से ही प्राप्त करना है।

मुख्य अतिथि ने ऑन–लाईन माध्यम से संस्थान के प्राथमिक चिकित्सा कक्ष एवं योग–सह–ध्यान कक्ष का उद्घाटन किया। इस सुविधा से संस्थान के कार्मिकों को स्वास्थ लाभ मिलेगा एवं कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। विषिष्ट अतिथि द्वारा संस्थान के प्रकाषनों का विमोचन किया गया तथा भारतीय कृषिवानिकी समिति द्वारा डॉ. आर. वी. कुमार एवं डॉ. रमेष सिंह को डॉ. के. जी. तेजवानी अवॉर्ड से सम्मानित किया। प्रागतिषील कृषक श्री सुरेन्द्र सिंह यादव (सेमरी) एवं श्री महेन्द्र सिंह यादव (परासई) को पर्ल फाउन्डेषन द्वारा प्रायोजित नवाचार पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। संस्थान में हिन्दी सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता के पुरूस्कारों को भी वितरित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से हुई तथा डॉ. ए. के. हाण्डा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान से हुआ। इस अवसर पर संस्थान द्वारा एक प्रदर्षिनी का भी आयोजन किया गया जिसका समन्वयन डॉ. ह्रदयेष अनुरागी ने किया।

इस कार्यक्रम के दौरान ग्रासलैण्ड के सभी विभागाध्यक्षः डॉ. ए. के. रॉय, डॉ. आर. वी. कुमार, डॉ. पी. के. पाठक, डॉ. पुरूषोत्तम शर्मा, डॉ. सुनील तिवारी एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय, झाँसी के डीन एवं निदेषक गणः डॉ. ए. आर. शर्मा, डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. एस.एस. सिंह, आई.सी.ए.आर. रीजनल

सेन्टर, दतिया से डॉ. आर. एस. यादव तथा संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं झाँसी जनपद के परासई, गणेषगण एवं सेमरी गाँवों के किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर. पी. द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. इन्दर देव ने किया।